Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

सेकेंडरी स्कूल परीक्षा
मार्च 2017

अंक योजना – सामाजिक विज्ञान (ऑल इण्डिया) कोड संख्या 32/1/1, 32/1/2, 32/1/3

सामान्य निर्देश :

1. अंक योजना मूल्यांकन करने में व्यक्तिपरकता को कम करने हेतु सामान्य दिशा निर्देश प्रदान करती है । अंक योजना में दिए गए उत्तर सुझावात्मक और सांकेतक हैं। यदि परीक्षार्थी अंक योजना में दिए गए उत्तरों से भिन्न उत्तर लिखता है, परन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे पूर्ण अंक दिए जाएं।
2. अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाय। मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार अथवा अन्य किसी सोच के आधार पर नहीं हो। अंक योजना यथावत पालन किया जाए और उसका उपयोग नियमित किया जाए।
3. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हैं तो ऐसे प्रश्न के प्रत्येक उपभाग के उत्तरों पर दाई ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के अंको का योग वाई ओर हाशिए पर लिखकर उसे गोलाकृति किया जाए।
4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाई ओर ही अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
5. यदि किसी परीक्षार्थी ने किसी विकल्प प्रश्न का उत्तर लिख दिया है तो जिस प्रश्न में अधिक अंक मिले हैं, उसे रखा जाए और दूसरे को निरस्त किया जाए।
6. मूल्यांकन करते समय इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए कि इस स्तर पर 'सामाजिक विज्ञान' विषय सामान्य शिक्षा का अंग है। इसलिए इसके चारों विषयों :– इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र तथा अर्थशास्त्र के विशिष्ट अध्ययन की अपेक्षा नहीं है।
7. उन प्रश्नों के छोड़कर, जिनमें परीक्षार्थियों से ज्ञान–आधारित सूचनाओं की अपेक्षा है, अन्य प्रश्नों में परीक्षार्थियों के उत्तरों का मूल्यांकन करते समय उत्तर में परिलक्षित बोधात्मकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बिना कोई व्याख्या केवल सूचीबद्ध बिन्दुओं को परीक्षार्थियों के ज्ञान का उपयुक्त संकेत न माना जाए।
8. बहुसंख्यक बिन्दुओं की अपेक्षा कम बिन्दु होते हुए भी यदि उनका अच्छी तरह से स्पष्टीकरण दिया गया है तो ऐसे उत्तरों के पक्ष में आंकलन किया जाए।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के साथ संदर्भ हेतु निर्धारित पाठयपुस्तकों की पृष्ठ संख्या दी गई है, ताकि आवश्यकतानुसार परीक्षक इन पृष्ठों का अध्ययन कर, उत्तरों का तथ्यपरक मूल्याकंन कर सकें।
10. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने – 0 से 90 का प्रयोग अपेक्षित है। यदि परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है तो उसे पूरे अंक देने में तनिक भी संकोच न करें।
11. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं। ये दिशा निर्देश मात्र हैं।ये अपने में पूर्ण उत्तर नहीं हैं। विद्यार्थियों की अपनी–अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है। यदि विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो तद्नुसार अंक देने हैं।
12. माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की छायाप्रति प्रार्थना पर निर्धारित शुल्क के भुगतान पर प्राप्त कर सकेंगे। सभी परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार पुनः ध्यान दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन करने समय प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं का कड़ाई से परिपालन किया जाए।
13. सभी मुख्य परीक्षकों/परीक्षकों को निर्दिष्ट किया जाता है कि जब वे उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हों, यदि उत्तर को पूर्णतः गलत पाते हैं तो गलत उत्तर के लिए (x) अंकित करना चाहिए और `O' अंक दिया जाना चाहिए।
14. परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन से पूर्व 'स्थल मूल्यांकन' के लिए मार्ग दर्शन' में दिए गए मार्ग दर्शनों की जानकारी प्राप्त कर लें।
15. प्रत्येक परीक्षक प्रतिदिन मूल्यांकन स्थल पर पर्याप्त समय जो सामान्यतः 5–6 घन्टे है तक कार्य करके उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें तथा प्रत्येक उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए 20–25 मिनट का समय लगाएं।
16. प्रत्येक परीक्षक प्रश्न पत्र के प्रत्येक सेट की अंक योजनाओं से स्वयं को अवगत कर लें।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

अंक योजना

सेकेन्डरी स्कूल परीक्षा मार्च 2017

सामाजिक विज्ञान

कोड़ संख्या 32/1/1 (दिल्ली क्षेत्र)

प्रश्न संख्या	मूल्य बिन्दु / संभावित उत्तर	अंक
1	**आन्नदमठ के लेखक** : बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय पृ.सं 71 इति0	1
2	**राष्ट्रीय नौगम्य जलमार्ग संख्या–1** गंगा नदी पृ.सं 87 भू0	1
3	**दबाव समूहों का निर्माण** हित समूह अमूमन समाज के किसी खास हिस्से अथवा समूह के हितों को बढ़ावा देने के लिए संगठन बनाकर गतिविधियां करते हैं। पृ.सं 63 रा0शा0	1
4	**चुनौती का अर्थ** चुनौती कोई एक समस्या नहीं है ।हम आमतौर पर उन्ही मुश्किलों को चुनौती कहते हैं जो महत्वपूर्ण तो हैं;लेकिन जिन पर जीत हासिल की जा सकती है । यदि किसी मुस्किल के भीतर ऐसी सम्भावना है कि उस मुश्किल से छुटकारा मिल सके तो उसे हम चुनौती कहते हैं । पृ.सं 102 रा0शा0	
5	**राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में दबाव समूह** मजदूर संगठन / छात्र संगठन – आई0एन0टी0यू0पी0सी0, ए0आई0टी0यू0सी0, ए0बी0वी0पी0, एन0आई0एस0यू0 पृ.सं 67 रा0शा0	1
6	**आवश्यकता के दोहरे संयोग की समस्या** दोनों पक्ष एक दूसरे से वस्तुएं खरीदने और बेचने पर सहमति रखते हों,उसे आवश्यकताओं का दुहरा संयोग कहा जाता है । पृ.सं 39 अर्थ0	1
7	**चुनने के अधिकार का उदहारण** यदि कोई एक व्यक्ति दंत मंजन खरीदना चाहता है और दुकानदार कहता है कि वह केवल दंत मंजन बेच सकता है जब वह दंत मंजन के साथ एक ब्रुश भी खरीदेगा । यदि आप ब्रुश खरीदने के इच्छुक नहीं है तब आपको मना करने का अधिकार है। कोई अन्य उदाहरण । पृ.सं 81 अर्थ0	1
8	आर0टी0आई0एक्ट (सूचना पाने का अधिकार) पृ.सं 80 अर्थ0	1
9	**फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों द्वारा फ्रांसीसी लोगों सामूहिक पहचान की भावना** i पितृभूमि और नागरिक जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया,जिसे एक संविधान के अर्न्तगत समान अधिकार प्राप्त थे । ii एक नया फ्रांसीसी झंडा–तिरंगा चुना गया ,जिसने पहले के राष्ट्रध्वज की जगह ले ली ।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	iii एक केन्द्रीय शासन व्यवस्था लागू की गयी, जिसने अपने भू भाग में रहने वाले नागरिकों के लिए समान कानून बनाए । iv आंतरिक आयात–निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए । v भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गयी vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्ही तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 5 इति0 **अथवा** **वियतनामियों के जीवन में आए बदलाव** i जनता का औपनिवेशिक शासकों के साथ जीवन के हर मोर्चे पर संघर्ष । ii सबसे अधिक प्रभाव सैनिक और आर्थिक मामलों पर दिखाई पड़ा । iii वियतनामी संस्कृति को नया रूप देने के लिए फ्रांसीसीयों ने सुनियोजित प्रयास किए । iv फ्रांसीसीयों और उनके वर्चस्व का अहसास कराने वाली हर चीज के खिलाफ वियतनामी समाज के हर तबके ने जमकर संघर्ष किया । यहीं से वियतनाम में राष्ट्रके बीज पड़े । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्ही तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 30 इति0	3x1=3 3x1=3
10	**रालट एक्ट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह** i भारतीय सदस्यों के भारी विरोध के बावजूद इस एक्ट को लेजिस्लेटिव काउंसिल ने बहुत जल्दबाजी में पारित किया । ii इस कानून के जरिए सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने के लिए असीम अधिकार दिए । iii राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकद्दमा चलाए जेल मे बंद रखने का अधिकार दिया गया । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 55 इति0	3x1=3
11	**राष्ट्रवाद को साकार करने में लोककथाओं ,गीतों एवं चित्रों का योगदान** i इतिहास व साहित्य,लोककथाएं व गीत, चित्र व प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद को साकार करने में अपना योगदान दिया । ii भारत माता की पहचान दृश्य रूप में प्रस्तुत की गयी । iii 1870 के दशक में बंकिम चट्टोपाध्याय ने मातृभूमि की स्तुति में बन्देमातरम् गीत लिखा था। iv राष्ट्रवाद का विचार भारतीय लोककथाओं को पुनर्जीवित करके भी विकसित किया गया। v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित) पृ.सं 1 इति0	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

12	**लौह– अयस्क की 'ओडिशा–झारखंड़ पेटी'** i ओडिशा में उच्च काटि का हेमेटाइट किस्म का लौह अयस्क पाया जाता है। ii लौह अयस्क मयूरभंज व केंदूझर जिलों में बादाम पहाड़ खदानों से निकाला जाता है । iii इसी से सन्निहद झारखंड़ के सिंहभूम जिले से गुआ तथा नोआमंड़ी से हेमेटाइट अयस्क का खनन किया जाता है । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 56 भू0	3x1=3
13	**कृषि और उद्योगों की पारस्परिक निर्भरता** i कृषि आधारित उद्योगों ने कृषि पैदावार बढ़ाने में प्रोत्साहन प्रदान किया है । ii उद्योग कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर हैं। iii उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे सिंचाई के लिए पंप,उर्वरक कीटनाशक दवाएं,प्लास्टिक पाइप, मशीनें व कृषि औजार आदि पर किसान निर्भर हैं। iv विनिर्माण उद्योग के विकास तथा स्पर्धा से न केवल कृषि उत्पादन को बढावा मिला है अपितु उत्पादन प्रक्रिया भी सक्षम हुई है । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 69 भू0	3x1=3
14	**परिवहन के तीव्र एवं सक्षम साधनों की आवश्यकता** i हम अपने दैनिक जीवन में विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं का प्रयोग करते हैं । इनमें से कुछ हमारे आसपास उपलब्ध होती है;जबकि कुछ अन्य वस्तुओं की आवश्यकता दूसरे स्थानों से लाकर की जाती है । ii वस्तुएं और सेवाएं मांग स्थल से आपूर्ति स्थल पर अपने आप नही पहुंच जाती । वस्तुओं तथा सेवाओं के आपूर्ति स्थानों से मांग स्थानों तक ले जाने हेतु परिवहन की आवश्यकता होती है । iii परिवहन के माध्यम से वस्तुएं उपभोक्ता तक पहुचती हैं । iv किसी देश का विकास वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के साथ साथ उनके स्थानिक गतिशीलता पर निर्भर करता है । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 87 भू0	3x1=3
15	**नेपाल और बोलिविया आन्दोलन में अन्तर** i दोनों आन्दोलनों की कथाओं का संदर्भ बड़ा अलग अलग है । ii नेपाल मे चले आन्दोलन का लक्ष्य लोकतंत्र की स्थापना करना था,जबकि बोलिविया के जनसंघर्ष में एक निर्वाचित लोकतांत्रिक सरकार को जनता की मांग मानने के लिए था । iii बेलिविया का जनसंघर्ष एक विशेष नीति के खिलाफ था; जबकि नेपाल का संघर्ष देश की राजनीति की नींव ड़ालने से संबंधित था । iv इन दोनों संघर्षों के प्रभाव के स्तर अलग अलग थे । कोई अन्य संदर्भित अन्तर । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 60 रा0शा0	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

16	**दबाव समूहों और आन्दोलनों का राजनीति पर प्रभाव** i दबाव समूह और आन्दोलन अपने लक्ष्य की प्राप्ति के जनता का समर्थन और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए प्रयास करते हैं । इसके लिए सूचना अभियान चलाना, बैठक आयोजित करना, अर्जी दायर करना आदि जैसे तरीकों का सहारा लेते हैं । अधिकतर समूह मीडिया को प्रभावित करते हैं । ii ऐसे समूह प्रायः हडताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहचानने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं । iii कभी कभी आन्दोलन राजनीतिक दल का रूप अपना लेते हैं । iv ऐसे समूहों के अधिकतर नेता राजनीतिक दलों के सक्रिय नेता होते हैं । ऐसे नेता राजनीति को प्रभावित करते हैं । iv दबाव समूह अथवा आन्दोलनकारी समूह के कुछ व्यक्ति सरकार को सलाह देने वाली समितियों और अधिकारिक निकायों में भाग लेते हैं । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 66 रा0शा0	3x1=3
17	**लोकतंत्र को बहेतर बनाने वाले मूल्य** i नागरिकों को समानता प्रदान करना । ii व्यक्ति की गरिमा बढ़ाना । iii फैसला करने में गुणवत्ता का बढ़ाना । iv टकरावों को हल करने में तरीके प्रदान करना । v गलतियों को सुधारने की गुंजाइश रखना । vi नागरिकों को अधिकारों की गारंटी देना । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 90 रा0शा0	3x1=3
18	**बैंक विनिमय के सशक्त साधन** i मांग जमा मुद्रा का महत्वपूर्ण लक्षण प्रदान करती है । ii चेक से भुगतान के लिए भुगतान कर्त्ता, जिसका किसी बैक में खाता है,बिना नकदी के उपयोग के भुगतान को सीधे–सीधे संभव बना है । iii मांग जमा भुगतान का व्यापक रूप से स्वीकृति का साधन है । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 41 अर्थ0	3x1=3
19	**राष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा उत्पादन इकाइयों के स्थापित करने की परिस्थितियां** i बाजार की निकटता का होना । ii कम लागत पर कुशल और अकुशल श्रम की उपलब्धता । iii सरकारी अनुकूल नीति । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का परख अपेक्षित) पृ.सं 57 अर्थ0	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

20	**उपभोक्ता आन्दोलन के प्रारम्भ होने के कारण** i उपभोक्ताओं का असंतोष । ii व्यापारियों द्वारा अनुचित व्यापार करने में लगे होना । iii बाजार में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए नियम विनियम का न होना । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 77 अर्थ0	3x1=3
21	**वियाना सम्मेलन की मेजबानी** डयूक मैटरनिख (1अंक) **वियाना संधि द्वारा किए गए परिवर्तन** i बूर्वो वंश को सत्ता में बहाल किया गया जो फ्रांसीसी क्रान्ति के दौरान हटाए गए । ii फ्रांस ने उन इलाकों को खो दिया जिन पर कब्जा उसने नेपोलियन के अधीन किया गया । iii फ्रांस की सीमा पर कई राज्य कायम कर दिए गए, ताकि फ्रांस भविष्य में विस्तार न कर सके । iv नीदरलैण्डस का राज्य स्थापित किया गया,जिसमे बेल्जियम शामिल था । v पूर्व में रूस का भाग सौपा गया । vi प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमाओं पर महत्वपूर्ण नए इलाके दिए गए । vii आस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियन्त्रण सौपा गया । vii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं चार बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) (4x1=4अंक) पृ.सं 10–11 इति0 **अथवा** **होआ–हाआ आन्दोलन** i यह आन्दोलन उन्नीसवीं सदी के फ्रांसीसी विरोधी आन्दोलनों में उपजे विचारों से प्रेरित था। ii होआ–होआ आन्दोलन के संस्थापक जादू टोना और गरीबों की मदद किया करते थे। iii वह व्यर्थ खर्चों के खिलाफ थे । इस संदर्भ में व्यापक रूप से लोगों से अनुरोध किया । iv वह बालिका बधुओं की खरीद फरोक्त शराब व अफीम के प्रखर विरोधी थे । v राजनीतिक दल ऐसे आन्दोलनों से जुड़े जनसमर्थन का फायदा उठाने की तो कोशिश करते थे, लेकिन उनकी गतिविधियों से बेचैन भी रहते थे । vi साम्राज्यवादी भावनाओं को झकझोरने में ऐसे आन्दोलनों के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता । vii ऐसे समूहों पर नियंत्रण और अपना अनुशासन कायम करने में काफी परेशानी महसूस होती थी; न ही वे उनके रीतिरिवाजों और व्यवहारों का समर्थन कर पाते थे । viii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 40 इति0	1+4=5 5x1=5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

22	**गांधी जी के विचारों और 'स्वराज' की अवधारणा के बारे में मजदूरों की समझ** i बागानी मजदूरों के लिए आजादी का महत्व था कि वे उन चारदीवारियों से जब चाहे आ जा सकते हैं जिनमें उनको बंद करके रखा गया था । ii वे अपने गावों से सम्पर्क रख पाएंगे । iii बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बिना इजाजत के बागान से बाहर जाने की छूट नहीं थी। उन्हें इजाजत कभी कभी मिलती थी। v जब उन्होंने असहयोग आन्दोलन के विषय मे सुना तो हजारों मजदूर अपने अधिकारियों की अवहेलना करने लगे। उन्होंने बागान छोड़ दिए और अपने घरों को चल दिए । v उन्हें लगता था कि गांधी राज आ रहा है । इसलिए अब तो हरेक को अपने गांव में जमीन मिल जाएगी । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 60 इति0	5x1=5
23	**''ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा उत्पादन है।''** वर्तमान में भारत विश्व के अल्पतम ऊर्जादक्ष देशों में गिना जाता है । हमें ऊर्जा के सीमित संसाधनों को न्ययासंगत उपयोग के लिए सावधानीपूर्ण उपागम अपनाना होगा । i एक जागरूक नागरिक के रूप में हम यातायात के लिए सार्वजनिक वाहन का उपयोग करके ऊर्जा की बचत कर सकते हैं । ii जब प्रयोग न हो रही हो तो बिजली बंद करके । विद्युत बचाई जा सकती है । iii विद्युत बचत करने वाले उपकरणें के प्रयोग से बिजली की बचत होती है । iv गैर पारम्परिक ऊर्जा साधनों के प्रयोग से हम अपना योगदान दे सकते हैं । v आखिरकार ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 67 भू0	5x1=5
24	**पटसन उद्योग के समक्ष चुनौतियां** i अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में कृत्रिम वस्त्रों से कड़ी स्पर्धा । ii मांग बढाने हेतु उत्पादन मे विविधता का आवश्यक होना । iii बंग्लादेश, ब्राजील आदि देशों से कड़ी स्पर्धा । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं दो बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) (2X1=2) **राष्ट्रीय पटसन नीति के उद्देश्य** i पटसन का उत्पादन बढ़ाना । ii गुणवत्ता में सुधार । iii पटसन उत्पादक किसानों को अच्छा मूल्य दिलाना । iv प्रति हैक्टेयर उत्पादकता को बढ़ाना । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन की व्याख्या अपेक्षित) (3x1=3) पृ.सं 74 भू0	2+3=5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

25	**नागरिकों की गरिमा और आजादी को सुरक्षित रखने में लोकतंत्र** i गरिमा और आजादी की चाह ही लोकतंत्र का आधार है । ii लोकतंत्र समानता पर आधारित है । iii महिलाओं के साथ सम्मान और समानता का व्यवहार लोकतांत्रिक समाज के आवश्यक आधार हैं । iv कानूनी आधार जो सिद्धान्तः व्यक्ति की गरिमा और आजादी स्वीकार्य है । v भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था ने कमजोर और भेदभाव का शिकार हुई जातियों के लोगों के समान दर्जे और समान अवसर के दावे को बल दिया है । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 97 रा0शा0	5x1=5
26	**भारत में राजनीतिक दलों के सुधार के प्रयास** i विधायकों और सांसदों को दलबदल करने से रोकने के लिए संविधान में संशोधन किया गया । ii उच्चतम न्यायालय ने पैसे और अपराधियों का प्रभाव कम करने के लिए एक आदेश जारी किया गया । iii चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को अपनी सम्पत्ति का ब्यौरे का शपथ पत्र के माध्यम से देना अनिवार्य कर दिया गया । iv चुनाव आयोग ने एक आदेश के जरिए सभी दलों के लिए सांगठनिक चुनाव कराना और आयकर का रिटर्न भरना आवश्यक कर दिया है । v इस नयी व्यवस्था से लोगों को बहुत सी पक्की सूचनाएं उपलब्ध होने लगी हैं । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 85 रा0शा0	5x1=5
27	**स्वयं सहायता समूह की भूमिका** i स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण गतिविधियों से संबंधित अधिकतर महत्वपूर्ण निर्णय समूह के सदस्य स्वयं करते हैं । ii समूह के सदस्य एक दूसरे से सुपरिचित होते हैं। वे एक ही समाज से संबंधित होते हैं । iii ऋण को लौटाने की जिम्मेदारी भी समूह की होती है । iv एक भी सदस्य अगर ऋण नहीं लौटाता तो समूह के अन्य सभी सदस्य इस मामले को गम्भीरता से लेते हैं । v जब महिलाएं अपने आप को स्वयं सहायता समूह में संगठित कर लेती हैं तो बैंक भी इन गरीब महिलाओं को उनके पास कोई ऋणाधार न होते हुए भी ऋण देने के लिए तैयार हो जाती हैं । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 51 अर्थ0	5x1=5
28	**वैश्वीकरण की प्रकिया में प्रौद्योगिकी का योगदान** i विगत पचास वर्षों में परिवहन प्रौद्योगिकी बहुत उन्नति हुई है । ii इसने लम्बी दूरियों तक वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति को कम लागत पर संभव किया है ।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	iii वर्तमान समय में दूरसंचार,कम्प्यूटर और इंटरनेट के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी द्रुत गति से परिवर्तित हो रही है । iv प्रौद्योगिकी ने इन सुविधाओं को संचार उपग्रहों द्वारा सुगम बनाया है । v दूरसंचार सुविधाऐं विश्व भर में एक दूसरे से संपर्क करने में प्रयोग की जाती हैं । vii इंटरनेट से हम तत्काल इलेक्ट्रानिक डाक(ई–मेल) भेज सकते हैं और अति कम मूल्य पर विश्व भर में बात (वायस मेल) कर सकते हैं । vii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 63 अर्थ0	5x1=5
29	उत्तर के लिए संलग्न भरा मानचित्र देखें । **दृष्टिबाधित परीक्षार्थीयों के लिए** (29.1) चौरी चौरा (29.2) खेड़ा (29.3) मद्रास (चेन्नई)	3x1=3
30	उत्तर के लिए संलग्न भरा मानचित्र देखें । **दृष्टिबाधित परीक्षार्थीयों के लिए** (30.1) कलपक्कम (30.2) पारादीप (30.3) पश्चिम बंगाल	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

MAP for Q. No. 29

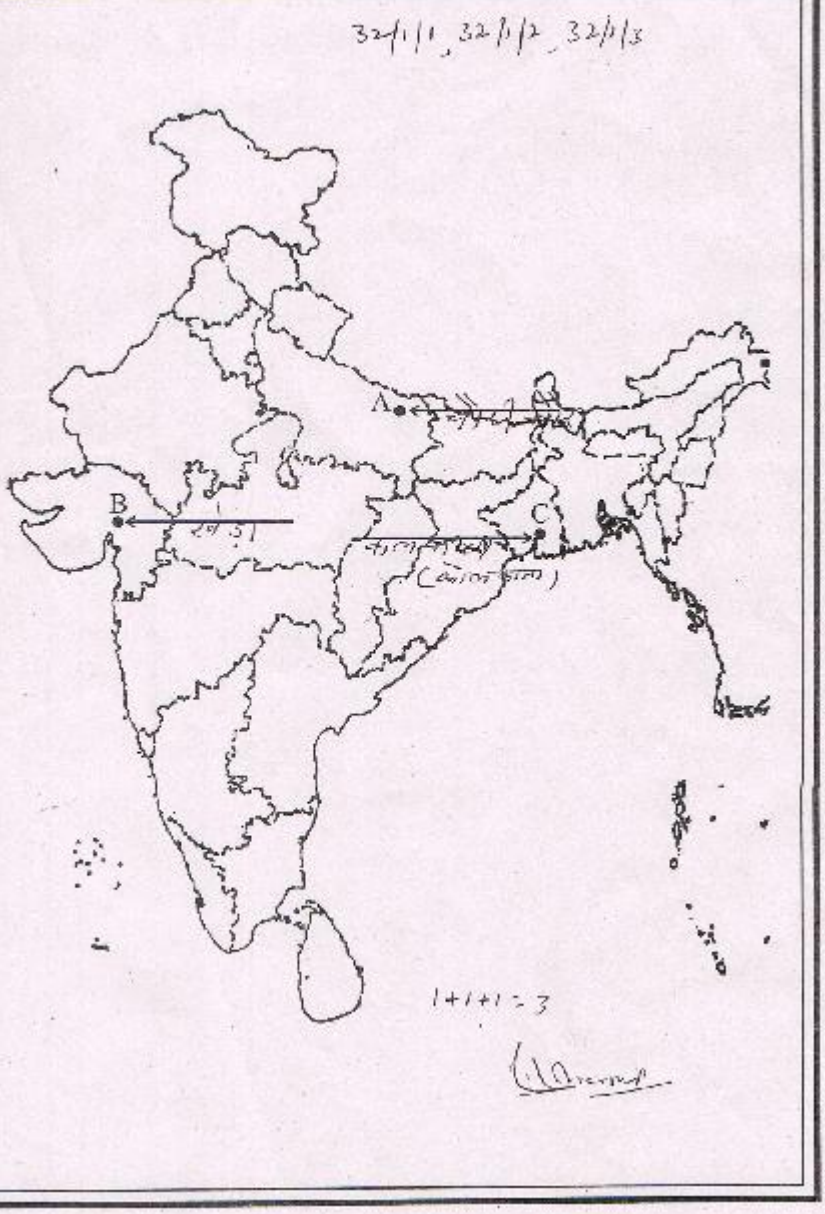

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

MAP for Q. No. 30

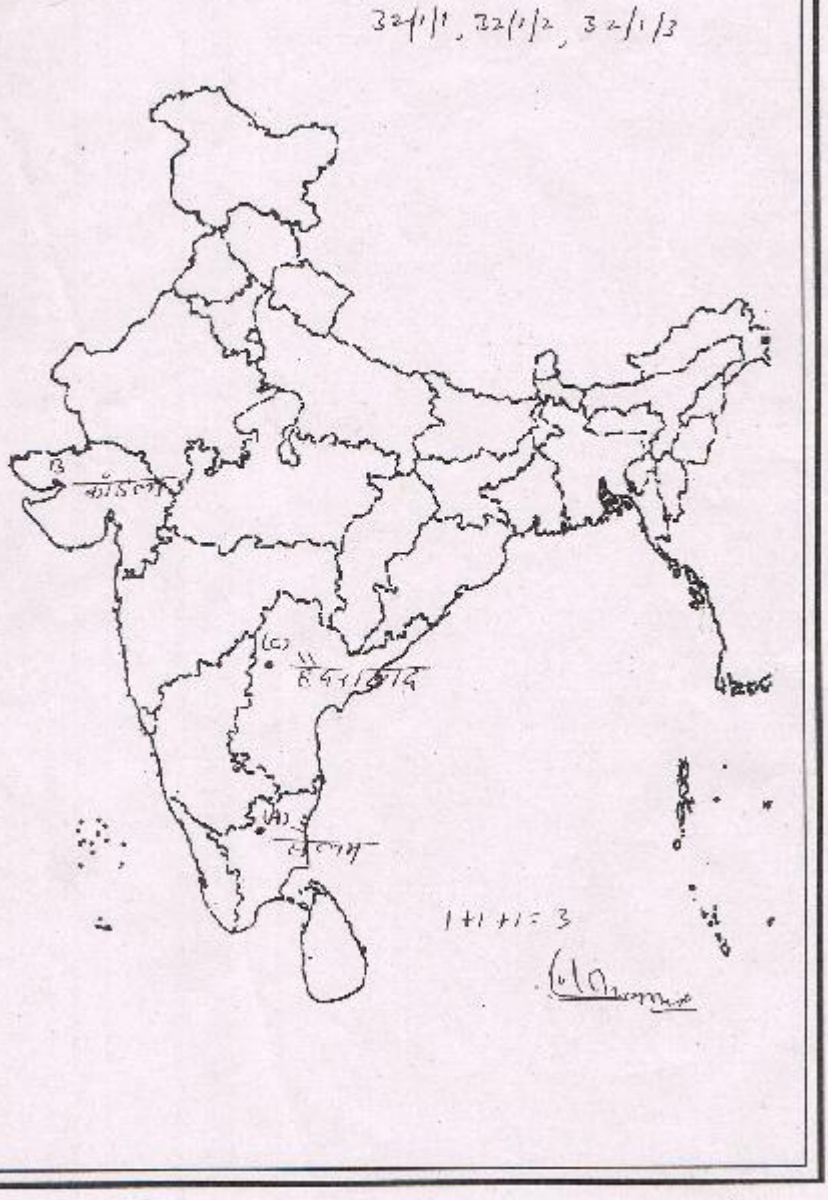

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

अंक योजना

सेकेन्डरी स्कूल परीक्षा मार्च 2017

सामाजिक विज्ञान

कोड़ संख्या 32/1/2 (दिल्ली क्षेत्र)

प्रश्न संख्या	मूल्य बिन्दु / संभावित उत्तर	अंक
1	**दलितों को दमित वर्ग ऐसोसिएशन में किसने संगठित किया** डा0 बी0 आर0 अम्बेडकर पृ.सं इति0	1
2	उत्तर दक्षिण गलियारे का दक्षिणी छोर कन्याकुमारी पृ.सं 87 भू0	1
3	आर0टी0आई0एक्ट (सूचना पाने का अधिकार) पृ.सं 80 अर्थ0	1
4	**राजनीतिक दल का अर्थ** राजनीतिक दल लोगों का एक ऐसा संगठित समूह है जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है । पृ.सं 102 रा0शा0	1
5	**चुनने के अधिकार का उदहारण** यदि कोई एक व्यक्ति दंत मंजन खरीदना चाहता है और दुकानदार कहता है कि वह केवल दंत मंजन बेच सकता है जब वह दंत मंजन के साथ एक ब्रुश भी खरीदेगा । यदि आप ब्रुश खरीदने के इच्छुक नहीं है तब आपको मना करने का अधिकार है। कोई अन्य उदाहरण । पृ.सं 81 अर्थ0	1
6	**दबाव समूहों का निर्माण** हित समूह अमूमन समाज के किसी खास हिस्से अथवा समूह के हितों को बढ़ावा देने के लिए संगठन बनाकर गतिविधियां करते हैं। पृ.सं 63 रा0शा0	1
7	**राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में दबाव समूह** मजदूर संगठन / छात्र संगठन – आई0एन0टी0यू0पी0सी0, ए0आई0टी0यू0सी0, ए0बी0वी0पी0, एन0आई0एस0यू0 पृ.सं 67 रा0शा0	1
8	**आवश्यकता के दोहरे संयोग की समस्या** दोनों पक्ष एक दूसरे से वस्तुएं खरीदने और बेचने पर सहमति रखते हों,उसे आवश्यकताओं का दुहरा संयोग कहा जाता है । पृ.सं 39 अर्थ0	1
9	**उपभोक्ता आन्दोलन के प्रारम्भ होने के कारण** i उपभोक्ताओं का असंतोष । ii व्यापारियों द्वारा अनुचित व्यापार करने में लगे होना । iii बाजार में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए नियम विनियम का न होना ।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 77 अर्थ0	3x1=3
10	**शहरों में असहयोग धीमा पड़ने के कारण** (i) भारतीय लम्बे समय तक खादी का बहिष्कार नहीं कर सके क्योंकी खादी का कपड़ा मिलों में भारी पैमाने पर बनने वाले कपड़ों के मुकाबले मंहगा होता था । (ii) ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार से भी समस्या थी । आन्दोलन की कामयाबी के लिए वैकल्पिक संस्थानों की स्थापना आवश्यक थी ताकि ब्रिटिश संस्थानों के स्थान पर उनका प्रयोग किया जा सके । (iii) फलतः विद्यार्थी और शिक्षक सरकारी स्कूलों में लौटने लगे और वकील सरकारी न्यायालयों में अपना काम शुरू करने लगे । (iv) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 58 इति0	3x1=3
11	**बैंक विनिमय के सशक्त साधन** i मांग जमा मुद्रा का महत्वपूर्ण लक्षण प्रदान करती है । ii चेक से भुगतान के लिए भुगतान कर्त्ता, जिसका किसी बैक में खाता है,बिना नकदी के उपयोग के भुगतान को सीधे–सीधे संभव बना है । iii मांग जमा भुगतान का व्यापक रूप से स्वीकृति का साधन है । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 41 अर्थ0	3x1=3
12	**दबाव समूहों और आन्दोलनों का राजनीति पर प्रभाव** i दबाव समूह और आन्दोलन अपने लक्ष्य की प्राप्ति के जनता का समर्थन और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए प्रयास करते हैं । इसके लिए सूचना अभियान चलाना, बैठक आयोजित करना, अर्जी दायर करना आदि जैसे तरीकों का सहारा लेते हैं । अधिकतर समूह मीडिया को प्रभावित करते हैं । ii ऐसे समूह प्रायः हडताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहचानने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं । iii कभी कभी आन्दोलन राजनीतिक दल का रूप अपना लेते हैं । iv ऐसे समूहों के अधिकतर नेता राजनीतिक दलों के सक्रिय नेता होते हैं । ऐसे नेता राजनीति को प्रभावित करते हैं । iv दबाव समूह अथवा आन्दोलनकारी समूह के कुछ व्यक्ति सरकार को सलाह देने वाली समितियों और अधिकारिक निकायों में भाग लेते हैं । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 66 रा0शा0	3x1=3
13	**परिवहन के तीव्र एवं सक्षम साधनों की आवश्यकता** i हम अपने दैनिक जीवन में विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं का प्रयोग करते हैं । इनमें से कुछ हमारे आसपास उपलब्ध होती है;जबकि कुछ अन्य वस्तुओं की आवश्यकता दूसरे स्थानों से लाकर की जाती है ।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	ii वस्तुएं और सेवाएं मांग स्थल से आपूर्ति स्थल पर अपने आप नही पहुंच जाती । वस्तुओं तथा सेवाओं के आपूर्ति स्थानों से मांग स्थानों तक ले जाने हेतु परिवहन की आवश्यकता होती है । iii परिवहन के माध्यम से वस्तुएं उपभोक्ता तक पहुचती हैं । iv किसी देश का विकास वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के साथ साथ उनके स्थानिक गतिशीलता पर निर्भर करता है । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 87 भू0	3x1=3
14	**कृषि और उद्योगों की पारस्परिक निर्भरता** i कृषि आधारित उद्योगों ने कृषि पैदावार बढ़ाने में प्रोत्साहन प्रदान किया है । ii उद्योग कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर हैं। iii उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे सिंचाई के लिए पंप,उर्वरक कीटनाशक दवाएं,प्लास्टिक पाइप, मशीनें व कृषि औजार आदि पर किसान निर्भर हैं। iv विनिर्माण उद्योग के विकास तथा स्पर्धा से न केवल कृषि उत्पादन को बढावा मिला है अपितु उत्पादन प्रक्रिया भी सक्षम हुई है । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 69 भू0	3x1=3
15	**आन्दोलन और हित समूह में अन्तर** (i) हित समूह प्रायः समाज के किसी खास हिस्से अथवा समूह के हितों को बढ़ावा देना चाहते हैं । जैसे मजदूर संगठन ,व्यापारिक संघ डॉक्टर, शिक्षक संघ आदि दूसरी ओर आन्दोलन समूह वर्ग विशेषी होते हैं, जो एक सीमित समय सीमा के भीतर किसी एक लक्ष्य को पाना चाहते हैं । उदाहरण के लिए नेपाल का लोकतंत्र के लिए आन्दोलन, नर्मदा बचाओ आन्दोलन आदि । (ii) कुछ संगठन ऐसे होते हैं जो किसी खास हित के बजाय सामूहिक का प्रतिनिधित्व करते हैं । जैसे बामसेफ (बेकवर्ड एण्ड माइनारिटी कम्यूनिटी इम्पलाइज फेडरेशन) । कुछ आन्दोलन ज्यादा सार्वभौम प्रकृति के होते हैं और एक व्यापक लक्ष्य को बहुत बड़ी लम्बी अवधि में हासिल करना चाहते हैं उदहारण के लिए महिला आन्दोलन। (iii) हित समूह ऐसे होते है जिनका उद्देश्य सर्वसामान्य हित का होता है, अपना निजी हित नहीं जैसे फेडेकोर, दूसरी ओर आन्दोलन समूह लम्बे समय तक चलते हैं, जिनमे एक से अधिक मुद्दे होते हैं जैसे पर्यावरण आन्दोलन । (iv) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 64–65 रा0शा0	3x1=3
16	**फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों द्वारा फ्रांसीसी लोगों सामूहिक पहचान की भावना** i पितृभूमि और नागरिक जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया,जिसे एक संविधान के अर्न्तगत समान अधिकार प्राप्त थे । ii एक नया फ्रांसीसी झंडा–तिरंगा चुना गया ,जिसने पहले के राष्ट्रध्वज की जगह ले ली । iii एक केन्द्रीय शासन व्यवस्था लागू की गयी, जिसने अपने भू भाग में रहने वाले	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	नागरिकों के लिए समान कानून बनाए । iv आंतरिक आयात–निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए । v भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गयी vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्ही तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 5 इति0 **अथवा** **वियतनामियों के जीवन में आए बदलाव** i जनता का औपनिवेशिक शासकों के साथ जीवन के हर मोर्चे पर संघर्ष । ii सबसे अधिक प्रभाव सैनिक और आर्थिक मामलों पर दिखाई पड़ा । iii वियतनामी संस्कृति को नया रूप देने के लिए फ्रांसीसीयों ने सुनियोजित प्रयास किए । iv फ्रांसीसीयों और उनके वर्चस्व का अहसास कराने वाली हर चीज के खिलाफ वियतनामी समाज के हर तबके ने जमकर संघर्ष किया । यहीं से वियतनाम में राष्ट्रके बीज पड़े । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्ही तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 30 इति0	3x1=3 3x1=3
17	**लोकतंत्र को बहेतर बनाने वाले मूल्य** i नागरिकों को समानता प्रदान करना । ii व्यक्ति की गरिमा बढ़ाना । iii फैसला करने में गुणवत्ता का बढ़ाना । iv टकरावों को हल करने में तरीके प्रदान करना । v गलतियों को सुधारने की गुंजाइश रखना । vi नागरिकों को अधिकारों की गारंटी देना । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 90 रा0शा0	3x1=3
18	**राष्ट्रवाद को साकार करने में लोककथाओं ,गीतों एवं चित्रों का योगदान** i इतिहास व साहित्य,लोककथाएं व गीत, चित्र व प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद को साकार करने में अपना योगदान दिया । ii भारत माता की पहचान दृश्य रूप में प्रस्तुत की गयी । iii 1870 के दशक में बंकिम चट्टोपाध्याय ने मातृभूमि की स्तुति में बन्देमातरम् गीत लिखा था। iv राष्ट्रवाद का विचार भारतीय लोककथाओं को पुनर्जीवित करके भी विकसित किया गया। v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित) पृ.सं 1 इति0	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

19	(i) बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अतिरिक्त निवेश के लिए स्थानीय कम्पनियों को धन प्रदान करती हैं जिससे वे तीव्र उत्पादन के मशीनें खरीद सकें । (ii) बहुराष्ट्रीय कम्पनियां उत्पादन की नवीनतम प्रौद्योगिकी अपने साथ लाती हैं । (iii) वे नई प्रौद्योगिकी में और नई उत्पादन विधियों में निवेश करती हैं और अपना उत्पादन बढ़ाती हैं । (iv) कुछ एक स्थानिय कम्पनियों ने विदेशी कम्पनियों के साथ सफल सहयोग से लाभान्वित हुई हैं । (v) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 67 अर्थ0	3x1=3
20	**लौह– अयस्क की 'ओडिशा–झारखंड़ पेटी'** i ओडिशा में उच्च काटि का हेमेटाइट किस्म का लौह अयस्क पाया जाता है। ii लौह अयस्क मयूरभंज व केंदूझर जिलों में बादाम पहाड़ खदानों से निकाला जाता है । iii इसी से सन्निहद झारखंड़ के सिंहभूम जिले से गुआ तथा नोआमंड़ी से हेमेटाइट अयस्क का खनन किया जाता है । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 56 भू0	3x1=3
21	**वैश्वीकरण की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी का योगदान** i विगत पचास वर्षों में परिवहन प्रौद्योगिकी बहुत उन्नति हुई है । ii इसने लम्बी दूरियों तक वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति को कम लागत पर संभव किया है । iii वर्तमान समय में दूरसंचार,कम्प्यूटर और इंटरनेट के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी द्रुत गति से परिवर्तित हो रही है । iv प्रौद्योगिकी ने इन सुविधाओं को संचार उपग्रहों द्वारा सुगम बनाया है । v दूरसंचार सुविधाऐं विश्व भर में एक दूसरे से संपर्क करने में प्रयोग की जाती हैं । vii इंटरनेट से हम तत्काल इलेक्ट्रानिक डाक(ई–मेल) भेज सकते हैं और अति कम मूल्य पर विश्व भर में बात (वायस मेल) कर सकते हैं । vii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 63 अर्थ0	5x1=5
22	**भारत में राजनीतिक दलों के सुधार के प्रयास** i विधायकों और सांसदों को दलबदल करने से रोकने के लिए संविधान में संशोधन किया गया । ii उच्चतम न्यायालय ने पैसे और अपराधियों का प्रभाव कम करने के लिए एक आदेश जारी किया गया । iii चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को अपनी सम्पत्ति का ब्यौरे का शपथ पत्र के माध्यम से देना अनिवार्य कर दिया गया । iv चुनाव आयोग ने एक आदेश के जरिए सभी दलों के लिए सांगठनिक चुनाव कराना और आयकर का रिटर्न भरना आवश्यक कर दिया है ।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	v इस नयी व्यवस्था से लोगों को बहुत सी पक्की सूचनाएं उपलब्ध होने लगी हैं । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 85 रा0शा0	5x1=5
23	**सड़क परिवहन,रेल परिवहन की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक है** (i) रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़कों की निर्माण लागत बहुत कम है । (ii) सड़के अपेक्षाकृत उबड़–खाबड़ व विछिन्न भूभागों में बनाई जा सकती हैं । (iii) अधिक ढ़ाल प्रवणता तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़क निर्मित की जा सकती हैं । (iv) अपेक्षाकृत कम व्यक्तियों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में सड़कें रेलवे की अपेक्षा मितव्ययी होती हैं । (v) सड़कें घर घर सेवाएं उपलब्ध कराती हैं तथा सामान के चढ़ाने और उतारने की लागत भी अपेक्षाकृत कम हैं । (vi) सड़क परिवहन अन्य परिवहन साधनों के उपयोग में एक कड़ी के रूप में कार्य करता है जैसे सड़कें,रेलवे स्टेशन, वायु और समुद्री पत्तनों को जोड़ती है । (vii) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 67 भू0	5x1=5
24	**वियाना सम्मेलन की मेजबानी** डयूक मैटरनिख (1अंक) **वियाना संधि द्वारा किए गए परिवर्तन** i बूर्वो वंश को सत्ता में बहाल किया गया जो फ्रांसीसी क्रान्ति के दौरान हटाए गए । ii फ्रांस ने उन इलाकों को खो दिया जिन पर कब्जा उसने नेपोलियन के अधीन किया गया । iii फ्रांस की सीमा पर कई राज्य कायम कर दिए गए, ताकि फ्रांस भविष्य में विस्तार न कर सके । iv नीदरलैण्डस का राज्य स्थापित किया गया,जिसमे बेल्जियम शामिल था । v पूर्व में रूस का भाग सौपा गया । vi प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमाओं पर महत्वपूर्ण नए इलाके दिए गए । vii आस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियन्त्रण सौपा गया । vii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं चार बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) (4x1=4अंक) पृ.सं 10–11 इति0 **अथवा** **होआ–हाआ आन्दोलन** i यह आन्दोलन उन्नीसवीं सदी के फ्रांसीसी विरोधी आन्दोलनों में उपजे विचारों से प्रेरित था। ii होआ–होआ आन्दोलन के संस्थापक जादू टोना और गरीबों की मदद किया करते थे। iii वह व्यर्थ खर्चों के खिलाफ थे । इस संदर्भ में व्यापक रूप से लोगों से अनुरोध	1+4=5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	किया । iv वह बालिका बधुओं की खरीद फरोक्त शराब व अफीम के प्रखर विरोधी थे । v राजनीतिक दल ऐसे आन्दोलनों से जुड़े जनसमर्थन का फायदा उठाने की तो कोशिश करते थे, लेकिन उनकी गतिविधियों से बेचैन भी रहते थे । vi साम्राज्यवादी भावनाओं को झकझोरने में ऐसे आन्दोलनों के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता । vii ऐसे समूहों पर नियंत्रण और अपना अनुशासन कायम करने में काफी परेशानी महसूस होती थी; न ही वे उनके रीतिरिवाजों और व्यवहारों का समर्थन कर पाते थे । viii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 40 इति0	5x1=5
25	**राजनीतिक दलों के कार्य** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं । (ii) राजनीतिक दल दल अलग अलग नीतियों और कार्यक्रमों को रखते हैं । (iii) दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं । (iv) वे सरकार बनाते हैं और चलाते हैं । (v) कुछ अल्पमत वाले दल शासक दल के विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं । (vi) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 73–74 रा0शा0	5x1=5
26	**गांधी जी के विचारों और 'स्वराज' की अवधारणा के बारे में मजदूरों की समझ** i बागानी मजदूरों के लिए आजादी का महत्व था कि वे उन चारदीवारियों से जब चाहे आ जा सकते हैं जिनमें उनको बंद करके रखा गया था । ii वे अपने गावों से सम्पर्क रख पाएंगे । iii बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बिना इजाजत के बागान से बाहर जाने की छूट नहीं थी। उन्हें इजाजत कभी कभी मिलती थी। v जब उन्होंने असहयोग आन्दोलन के विषय मे सुना तो हजारों मजदूर अपने अधिकारियों की अवहेलना करने लगे। उन्होंने बागान छोड़ दिए और अपने घरों को चल दिए । v उन्हें लगता था कि गांधी राज आ रहा है । इसलिए अब तो हरेक को अपने गांव में जमीन मिल जाएगी । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 60 इति0	5x1=5
27	**बजार में नियमों और विनियमों की आवश्यकता** (i) अकेला उपभेक्ता प्रायःअपने को कमजोर स्थिति में पाता है । खरीदी गई वस्तु या सेवा के बारे जब भी कोई शिकायत होती है , तो विक्रेता सारा उत्तरदायित्व क्रेता पर ड़ालने का प्रयास करता है। (ii) कभी कभी व्यापारी अनुचित व्यापार करने लग जाता है । जैसे दूकानदार उचित वजन से कम वजन तौलता है । (iii) जब उत्पादक थोड़े और शक्तिशाली होते हैं तो बाजार उचित तरीके से कार्य नहीं	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	करता । सिगरेट कम्पनियों से यह बात मनवाने के लिए कि उनका उत्पाद कैंसर का कारण हो सकता है , न्यायालय से लम्बी लड़ाई लड़नी पड़ी । (iv) बड़ी कम्पनीयां विशाल पूंजी,शक्ति और पहुच के बल पर विभिन्न प्रकार से बाजार को प्रभावित कर सकती है । उपभेक्ताओं को आकर्षित करने को वे समय समय पर मीड़िया और अन्य स्रोतों से गलत सूचना देते हैं । (vi) अधिक पूंजी वाली शक्तिशाली और समृद्ध कम्पनियां विभिन्न प्रकार से चालाकी पूर्वक बाजार को प्रभावित कर सकती हैं । उदहारण के लिए एक कम्पनी ने यह दावा करते हुए कि माता के दूध हमारा उत्पाद बेहतर है । सर्वाधिक वैज्ञानिक उत्पाद के रूप में शिशुओं के लिए दूध का पाउड़र पूरे विश्व में कई वर्षों तक बेचा । कई वर्षों के लगातार सम्पर्क के बादकम्पनी को यह स्वीकार करना पड़ा कि वह झूठे दावे करती आ रही थी । (vii) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 51 अर्थ0	5x1=5
28	**पटसन उद्योग के समक्ष चुनौतियां** i अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में कृत्रिम वस्त्रों से कड़ी स्पर्धा । ii मांग बढाने हेतु उत्पादन मे विविधता का आवश्यक होना । iii बंग्लादेश, ब्राजील आदि देशों से कड़ी स्पर्धा । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं दो बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) (2X1=2) **राष्ट्रीय पटसन नीति के उद्देश्य** i पटसन का उत्पादन बढ़ाना । ii गुणवत्ता में सुधार । iii पटसन उत्पादक किसानों को अच्छा मूल्य दिलाना । iv प्रति हैक्टेयर उत्पादकता को बढ़ाना । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन की व्याख्या अपेक्षित) (3x1=3) पृ.सं 74 भू0	2+3=5
29	उत्तर के लिए संलग्न भरा मानचित्र देखें । **दृष्टिबाधित परीक्षार्थीयों के लिए** (29.1) चौरी चौरा (29.2) खेड़ा (29.3) मद्रास (चेन्नई)	(3x1=3)
30	उत्तर के लिए संलग्न भरा मानचित्र देखें । **दृष्टिबाधित परीक्षार्थीयों के लिए** (30.1) कलपक्कम (30.2) पारादीप (30.3) पश्चिम बंगाल	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

MAP for Q. No. 29

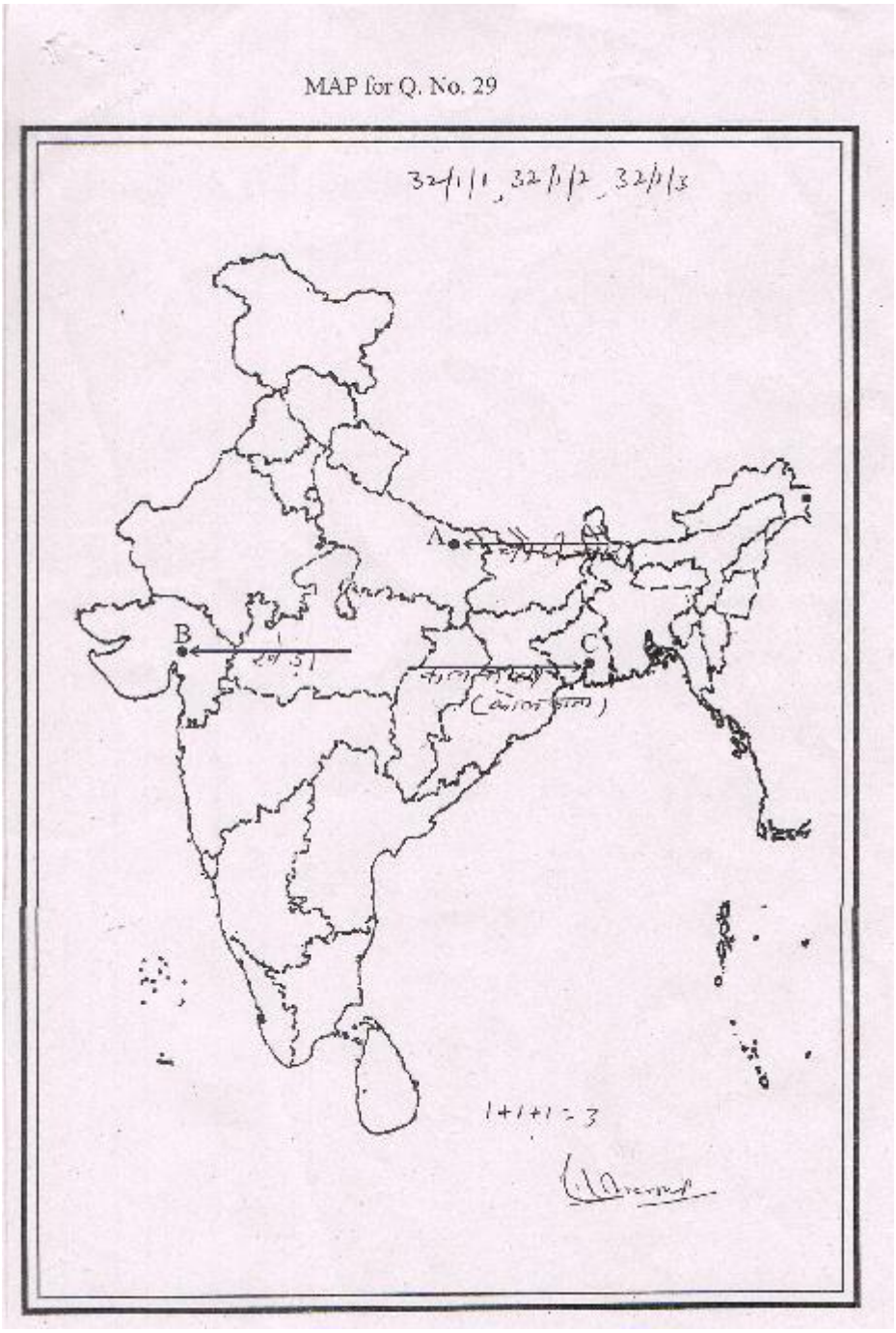

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

MAP for Q. No. 30

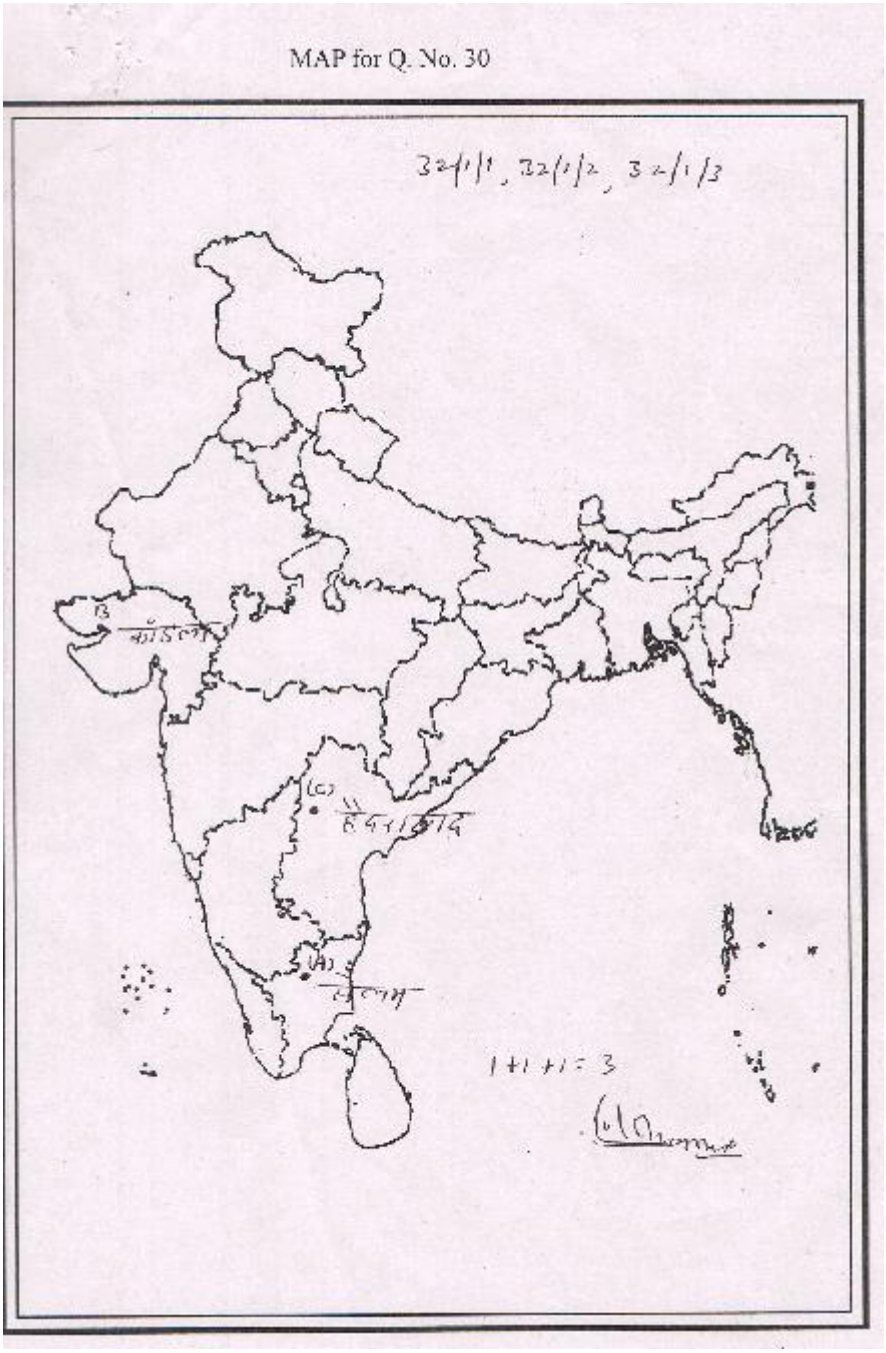

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

अंक योजना

सेकेन्डरी स्कूल परीक्षा मार्च 2017

सामाजिक विज्ञान

कोड़ संख्या 32/1/3 (दिल्ली क्षेत्र)

प्रश्न संख्या	मूल्य बिन्दु / संभावित उत्तर	अंक
1	**पूना समझौते** के अन्तर्गत 'दमित वर्ग' को प्रान्तीय और केन्द्रीय विधायी परिषदों में आरक्षित सीटें मिलीं । पृ.सं 68 इति0	1
2	**पोरबंदर** पूर्व पश्चिम गलियारे के पश्चिमी छोर का स्थल है । पृ.सं 88 भू0	1
3	**चुनने के अधिकार का उदहारण** यदि कोई एक व्यक्ति दंत मंजन खरीदना चाहता है और दुकानदार कहता है कि वह केवल दंत मंजन बेच सकता है जब वह दंत मंजन के साथ एक ब्रुश भी खरीदेगा । यदि आप ब्रुश खरीदने के इच्छुक नहीं है तब आपको मना करने का अधिकार है। कोई अन्य उदाहरण । पृ.सं 81 अर्थ0	1
4	**बेलिविया जल युद्ध का मुख्य कारण** सरकार नें जलापूर्ति का अधिकार एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी को बेच दिया इस कम्पनी ने तत्काल प्रभाव से पानी की कीमत चार गुणा बढ़ायी । पृ.सं 60 रा0शा0	1
5	आर0टी0आई0एक्ट (सूचना पाने का अधिकार) पृ.सं 80 अर्थ0	1
6	**दबाव समूहों का निर्माण** हित समूह अमूमन समाज के किसी खास हिस्से अथवा समूह के हितों को बढ़ावा देने के लिए संगठन बनाकर गतिविधियां करते हैं। पृ.सं 63 रा0शा0	1
7	**राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में दबाव समूह** मजदूर संगठन / छात्र संगठन – आई0एन0टी0यू0पी0सी0, ए0आई0टी0यू0सी0, ए0बी0वी0पी0, एन0आई0एस0यू0 पृ.सं 67 रा0शा0	1
8	**आवश्यकता के दोहरे संयोग की समस्या** दोनों पक्ष एक दूसरे से वस्तुएं खरीदने और बेचने पर सहमति रखते हों,उसे आवश्यकताओं का दुहरा संयोग कहा जाता है । पृ.सं 39 अर्थ0	1
9	**बैंक विनिमय के सशक्त साधन** i मांग जमा मुद्रा का महत्वपूर्ण लक्षण प्रदान करती है । ii चेक से भुगतान के लिए भुगतान कर्त्ता, जिसका किसी बैक में खाता है,बिना नकदी के उपयोग के भुगतान को सीधे–सीधे संभव बना है । iii मांग जमा भुगतान का व्यापक रूप से स्वीकृति का साधन है ।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 41 अर्थ0	3x1=3
10	**आर्थिक मोर्चे पर असहयोग आन्दोलन का प्रभाव** (i) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया । (ii) शराब की दूकानों की पिकेटिंग की गई । (iii) विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई । (iv) विदेशी कपड़ों का आयात आधा रह गया । (v) बहुत सारे स्थानों पर व्यापारियो ने विदेशी वस्तुओं का व्यापार करने या विदेशी व्यापार में पैसा लगाने से मना कर दिया । (vi) भारतीय कपड़ा मिलों और हथकरघों का उत्पादन बढ़ा । (vii) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 58 इति0	3x1=3
11	**उपभोक्ता आन्दोलन के प्रारम्भ होने के कारण** i उपभोक्ताओं का असंतोष । ii व्यापारियों द्वारा अनुचित व्यापार करने में लगे होना । iii बाजार में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए नियम विनियम का न होना । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 77 अर्थ0	3x1=3
12	**परिवहन के तीव्र एवं सक्षम साधनों की आवश्यकता** i हम अपने दैनिक जीवन में विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं का प्रयोग करते हैं । इनमें से कुछ हमारे आसपास उपलब्ध होती है;जबकि कुछ अन्य वस्तुओं की आवश्यकता दूसरे स्थानों से लाकर की जाती है । ii वस्तुएं और सेवाएं मांग स्थल से आपूर्ति स्थल पर अपने आप नही पहुंच जाती । वस्तुओं तथा सेवाओं के आपूर्ति स्थानों से मांग स्थानों तक ले जाने हेतु परिवहन की आवश्यकता होती है । iii परिवहन के माध्यम से वस्तुएं उपभोक्ता तक पहुचती हैं । iv किसी देश का विकास वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के साथ साथ उनके स्थानिक गतिशीलता पर निर्भर करता है । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 87 भू0	3x1=3
13	**दबाव समूहों और आन्दोलनों का राजनीति पर प्रभाव** i दबाव समूह और आन्दोलन अपने लक्ष्य की प्राप्ति के जनता का समर्थन और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए प्रयास करते हैं । इसके लिए सूचना अभियान चलाना, बैठक आयोजित करना, अर्जी दायर करना आदि जैसे तरीकों का सहारा लेते हैं । अधिकतर समूह मीडिया को प्रभावित करते हैं । ii ऐसे समूह प्रायः हडताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहचानने जैसे उपायों का	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	सहारा लेते हैं । iii कभी कभी आन्दोलन राजनीतिक दल का रूप अपना लेते हैं । iv ऐसे समूहों के अधिकतर नेता राजनीतिक दलों के सक्रिय नेता होते हैं । ऐसे नेता राजनीति को प्रभावित करते हैं । iv दबाव समूह अथवा आन्दोलनकारी समूह के कुछ व्यक्ति सरकार को सलाह देने वाली समितियों और अधिकारिक निकायों में भाग लेते हैं । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 66 रा0शा0	3x1=3
14	**राष्ट्रवाद को साकार करने में लोककथाओं ,गीतों एवं चित्रों का योगदान** i इतिहास व साहित्य,लोककथाएं व गीत, चित्र व प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद को साकार करने में अपना योगदान दिया । ii भारत माता की पहचान दृश्य रूप में प्रस्तुत की गयी । iii 1870 के दशक में बंकिम चट्टोपाध्याय ने मातृभूमि की स्तुति में बन्देमातरम् गीत लिखा था। iv राष्ट्रवाद का विचार भारतीय लोककथाओं को पुनर्जीवित करके भी विकसित किया गया। v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित) पृ.सं 1 इति0	3x1=3
15	**लोकतांत्रिक सरकार वैद्य सरकार के रूप में** (i) लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी सरकार का गठन जो कायदे कानून को मानेगी और लोगों के प्रति जवाबदेह होगी । (ii) लोकतांत्रिक सरकार नागरिकों को निर्णय प्रक्रिया में हिस्सेदारी बनाने और खुद को उनके प्रति जवाबदेह बनाने वाली कार्य विधि विकसित कर लेती है । (iii) यदि आप इन परिणमों के आधार पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को तोलना चाहते हैं तो आपको इन संस्थाओं और व्यवहारों पर गौर करना होगा –नियमित और निष्पक्ष चुनाव , प्रमुख नीतियों पर खुली सार्वजनिक चर्चा । (iv) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 91–92 रा0शा0	3x1=3
16	**लौह– अयस्क की 'ओडिशा–झारखंड़ पेटी'** i ओडिशा में उच्च काटि का हेमेटाइट किस्म का लौह अयस्क पाया जाता है। ii लौह अयस्क मयूरभंज व केंदूझर जिलों में बादाम पहाड़ खदानों से निकाला जाता है । iii इसी से सन्निहद झारखंड़ के सिंहभूम जिले से गुआ तथा नोआमंड़ी से हेमेटाइट अयस्क का खनन किया जाता है । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 56 भू0	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

17	**लोकतंत्र को बहतर बनाने वाले मूल्य** (i) नागरिकों को समानता प्रदान करना । (ii) व्यक्ति की गरिमा बढ़ाना । (iii) फैसला करने में गुणवत्ता का बढाना । (iv) टकरावों को हल करने में तरीके प्रदान करना । (v) गलतियों को सुधारने की गुंजाइश रखना । (vi) नागरिकों को अधिकारों की गारंटी देना । (vi) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 90 रा0शा0	3x1=3
18	**कृषि और उद्योगों की पारस्परिक निर्भरता** i कृषि आधारित उद्योगों ने कृषि पैदावार बढ़ाने में प्रोत्साहन प्रदान किया है । ii उद्योग कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर हैं। iii उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे सिंचाई के लिए पंप,उर्वरक कीटनाशक दवाएं,प्लास्टिक पाइप, मशीनें व कृषि औजार आदि पर किसान निर्भर हैं। iv विनिर्माण उद्योग के विकास तथा स्पर्धा से न केवल कृषि उत्पादन को बढावा मिला है अपितु उत्पादन प्रक्रिया भी सक्षम हुई है । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 69 भू0	3x1=3
19	**समर्थक -ऋणधार की आवश्यकता** (i) समर्थक ऋणधार उदारता को गारंटी देने के रूप में काम करता है । (ii) उधारदाता इसका गारंटी के रूप में प्रयोग करता है ,जब तक कि ऋण का भुगतान नहीं हो जाता । (iii) यदि कर्जदार उधार वापस नहीं कर पाता तो उधार दाता को भुगतान प्राप्ति के संपत्ति या समर्थक ऋणाधार बेचने का अधिकार होता है । (iv) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 67 अर्थ0	3x1=3
20	**फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों द्वारा फ्रांसीसी लोगों सामूहिक पहचान की भावना** i पितृभूमि और नागरिक जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया,जिसे एक संविधान के अर्न्तगत समान अधिकार प्राप्त थे । ii एक नया फ्रांसीसी झंडा–तिरंगा चुना गया ,जिसने पहले के राष्ट्रध्वज की जगह ले ली । iii एक केन्द्रीय शासन व्यवस्था लागू की गयी, जिसने अपने भू भाग में रहने वाले नागरिकों के लिए समान कानून बनाए । iv आंतरिक आयात–निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए । v भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गयी vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्ही तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 5 इति0	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	अथवा **वियतनामियों के जीवन में आए बदलाव** i जनता का औपनिवेशिक शासकों के साथ जीवन के हर मोर्चे पर संघर्ष । ii सबसे अधिक प्रभाव सैनिक और आर्थिक मामलों पर दिखाई पड़ा । iii वियतनामी संस्कृति को नया रूप देने के लिए फ्रांसीसीयों ने सुनियोजित प्रयास किए । iv फ्रांसीसीयों और उनके वर्चस्व का अहसास कराने वाली हर चीज के खिलाफ वियतनामी समाज के हर तबके ने जमकर संघर्ष किया । यहीं से वियतनाम में राष्ट्र के बीज पड़े । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्ही तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित) पृ.सं 30 इति0	3x1=3
21	**भारत में राजनीतिक दलों के सुधार के प्रयास** i विधायकों और सांसदों को दलबदल करने से रोकने के लिए संविधान में संशोधन किया गया । ii उच्चतम न्यायालय ने पैसे और अपराधियों का प्रभाव कम करने के लिए एक आदेश जारी किया गया । iii चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को अपनी सम्पत्ति का ब्यौरे का शपथ पत्र के माध्यम से देना अनिवार्य कर दिया गया । iv चुनाव आयोग ने एक आदेश के जरिए सभी दलों के लिए सांगठनिक चुनाव कराना और आयकर का रिटर्न भरना आवश्यक कर दिया है । v इस नयी व्यवस्था से लोगों को बहुत सी पक्की सूचनाएं उपलब्ध होने लगी हैं । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 85 रा0शा0	5x1=5
22	**पटसन उद्योग के समक्ष चुनौतियां** i अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में कृत्रिम वस्त्रों से कड़ी स्पर्धा । ii मांग बढाने हेतु उत्पादन मे विविधता का आवश्यक होना । iii बंग्लादेश, ब्राजील आदि देशों से कड़ी स्पर्धा । iv कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं दो बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) (2X1=2) **राष्ट्रीय पटसन नीति के उद्देश्य** i पटसन का उत्पादन बढ़ाना । ii गुणवत्ता में सुधार । iii पटसन उत्पादक किसानों को अच्छा मूल्य दिलाना । iv प्रति हैक्टेयर उत्पादकता को बढ़ाना । v कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं तीन की व्याख्या अपेक्षित) (3x1=3) पृ.सं 74 भू0	2+3=5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

23	**भारतीय रेलों का देश के आर्थिक ,उद्योग कृषि के विकास में योगदान ।** (i) रेलपरिवहन परिवहन का प्रमुख साधन है। (ii) रेलपरिवहन अनेक कार्यों में सहायक है जैसे व्यापार , भ्रमण तीर्थ यात्रा आदि । (iii) पिछले 150 वर्षों से अधिक समय से भरतीय रेल एक महत्वपूर्ण समंवयक के रूप में भी जानी जाती है । (iv) भारतीय रेल देश की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए उत्तरदायी है। (v) रेलों का उद्योग और कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान है । (vi) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 90 भू0	5x1=5
24	**गांधी जी के विचारों और 'स्वराज' की अवधारणा के बारे में मजदूरों की समझ** i बागानी मजदूरों के लिए आजादी का महत्व था कि वे उन चारदीवारियों से जब चाहे आ जा सकते हैं जिनमें उनको बंद करके रखा गया था । ii वे अपने गावों से सम्पर्क रख पाएंगे । iii बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बिना इजाजत के बागान से बाहर जाने की छूट नहीं थी। उन्हें इजाजत कभी कभी मिलती थी। v जब उन्होंने असहयोग आन्दोलन के विषय मे सुना तो हजारों मजदूर अपने अधिकारियों की अवहेलना करने लगे। उन्होंने बागान छोड़ दिए और अपने घरों को चल दिए । v उन्हें लगता था कि गांधी राज आ रहा है । इसलिए अब तो हरेक को अपने गांव में जमीन मिल जाएगी । vi कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 60 इति0	5x1=5
25	**राजनीतिक दलों के सामने चुनौतियां** (i) राजनीतिक दलों के भीतर आन्तरिक लोकतंत्र का न होना । (ii) पहली चुनौती से जुड़ी चुनौती–वंशवाद की चुनौती । (iii) राजनीतिक दलों ने पैसे और अपराधी तत्वों की बढ़ती घुसपैठ । (iv) पार्टियों के बीच विकल्पहीनता की स्थिति चौथी प्रमुख चुनौती है । (v) जातिवाद , धर्म (vi) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 83–84 रा0शा0	5x1=5
26	**वैश्वीकरण की प्रकिया में प्रौद्योगिकी का योगदान** i विगत पचास वर्षों में परिवहन प्रौद्योगिकी बहुत उन्नति हुई है । ii इसने लम्बी दूरियों तक वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति को कम लागत पर संभव किया है । iii वर्तमान समय में दूरसंचार,कम्प्यूटर और इंटरनेट के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी द्रुत गति से परिवर्तित हो रही है । iv प्रौद्योगिकी ने इन सुविधाओं को संचार उपग्रहों द्वारा सुगम बनाया है । v दूरसंचार सुविधाऐं विश्व भर में एक दूसरे से संपर्क करने में प्रयोग की जाती हैं ।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	vii इंटरनेट से हम तत्काल इलेक्ट्रानिक डाक(ई–मेल) भेज सकते हैं और अति कम मूल्य पर विश्व भर में बात (वायस मेल) कर सकते हैं । vii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं 63 अर्थ0	5x1=5
27	**उपभोक्ता आन्दोलन उपभोक्ताओं की सक्रिय भागीदारी से प्रभावी हो सकता है ।** (i) बाजार में अनुचित व्यवहार के कारण उपभोक्ता आन्दोलन का प्रारम्भ उपभोक्ताओं के असंतोष के कारण हुआ । (ii) लोगों के प्रतिभागिता से ही उपभोक्ता आन्दोलन सफल हो सकता है । (iii) उपभोक्ताओं को वस्तुओं और सेवाएं खरीदते समय अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत रहना होगा । (v) उपभोक्ताओं का एक दूसरे के साथ आना होगा और अन्य लोगों में भी जाग्रति पैदा करनी होगी । (vi) उदहारण के लिए 1960 के दशक में खाद की कमी, कालाबाजारी, खाद्य पदार्थों में मिलावट की वजह से व्यवस्थित रूप में उपभोक्ता आन्दोलन का उदय हुआ । (vii) कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) पृ.सं अर्थ0	5x1=5
28	**वियाना सम्मेलन की मेजबानी** डयूक मैटरनिख (1अंक) **वियाना संधि द्वारा किए गए परिवर्तन** i बूर्वो वंश को सत्ता में बहाल किया गया जो फ्रांसीसी क्रान्ति के दौरान हटाए गए । ii फ्रांस ने उन इलाकों को खो दिया जिन पर कब्जा उसने नेपोलियन के अधीन किया गया । iii फ्रांस की सीमा पर कई राज्य कायम कर दिए गए, ताकि फ्रांस भविष्य में विस्तार न कर सके । iv नीदरलैण्डस का राज्य स्थापित किया गया,जिसमे बेल्जियम शामिल था । v पूर्व में रूस का भाग सौपा गया । vi प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमाओं पर महत्वपूर्ण नए इलाके दिए गए । vii आस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियन्त्रण सौपा गया । vii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं चार बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) (4x1=4अंक) पृ.सं 10–11 इति0 **अथवा** **होआ–हाआ आन्दोलन** i यह आन्दोलन उन्नीसवीं सदी के फ्रांसीसी विरोधी आन्दोलनों में उपजे विचारों से प्रेरित था। ii होआ–होआ आन्दोलन के संस्थापक जादू टोना और गरीबों की मदद किया करते थे।	1+4=5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

	iii वह व्यर्थ खर्चों के खिलाफ थे । इस संदर्भ में व्यापक रूप से लोगों से अनुरोध किया । iv वह बालिका बधुओं की खरीद फरोक्त शराब व अफीम के प्रखर विरोधी थे । v राजनीतिक दल ऐसे आन्दोलनों से जुड़े जनसमर्थन का फायदा उठाने की तो कोशिश करते थे, लेकिन उनकी गतिविधियों से बेचैन भी रहते थे । vi साम्राज्यवादी भावनाओं को झकझोरने में ऐसे आन्दोलनों के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता । vii ऐसे समूहों पर नियंत्रण और अपना अनुशासन कायम करने में काफी परेशानी महसूस होती थी; न ही वे उनके रीतिरिवाजों और व्यवहारों का समर्थन कर पाते थे । viii कोई अन्य संदर्भित बिन्दु । (किन्हीं पांच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित) पृ.सं 40 इति0	5x1=5
29	उत्तर के लिए संलग्न भरा मानचित्र देखें । दृष्टिबाधित परीक्षार्थीयों के लिए (29.1) चौरी चौरा (29.2) खेड़ा (29.3) मद्रास (चेन्नई)	3x1=3
30	उत्तर के लिए संलग्न भरा मानचित्र देखें । दृष्टिबाधित परीक्षार्थीयों के लिए (30.1) कलपक्कम (30.2) पारादीप (30.3) पश्चिम बंगाल	3x1=3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

MAP for Q. No. 29

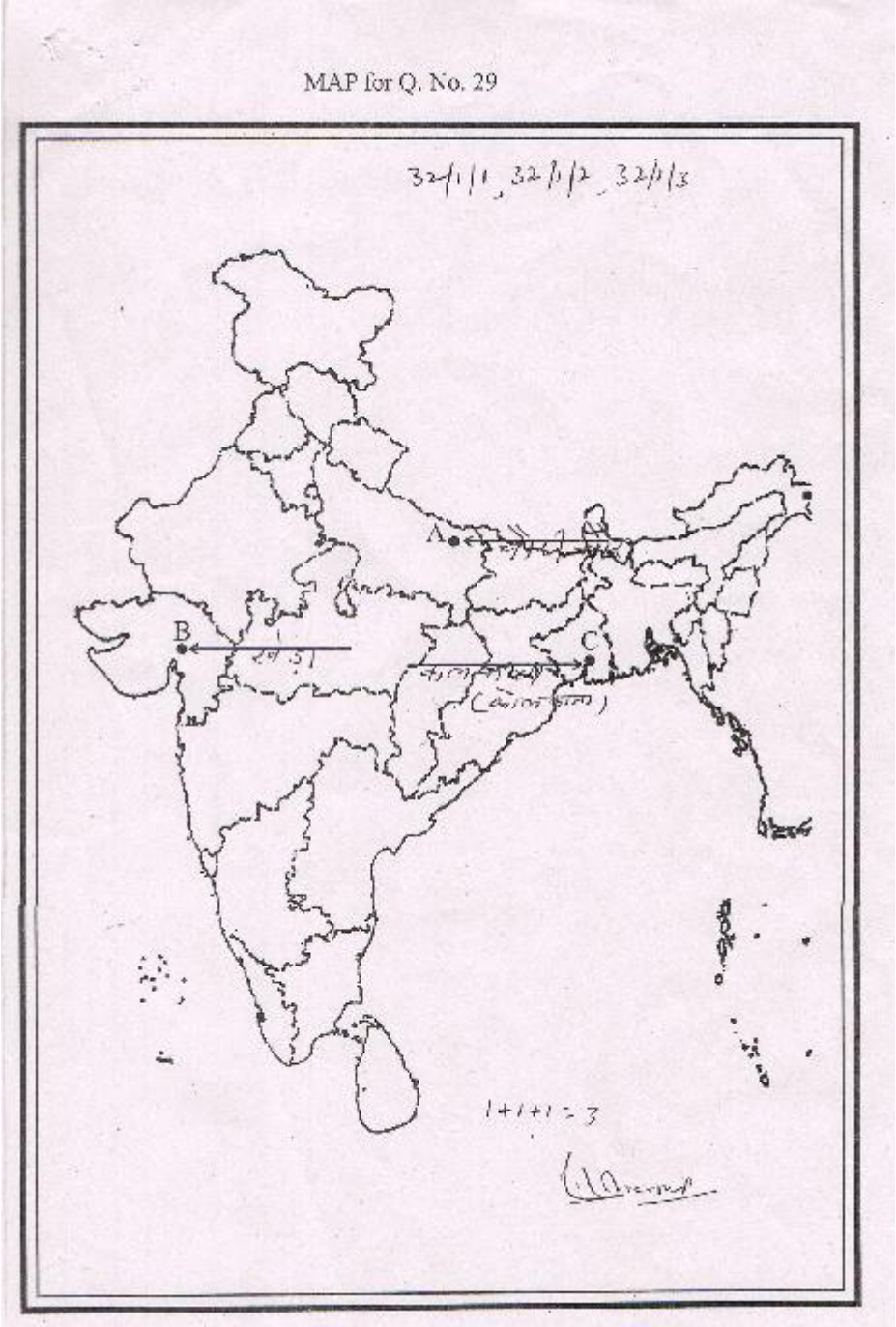

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

MAP for Q. No. 30

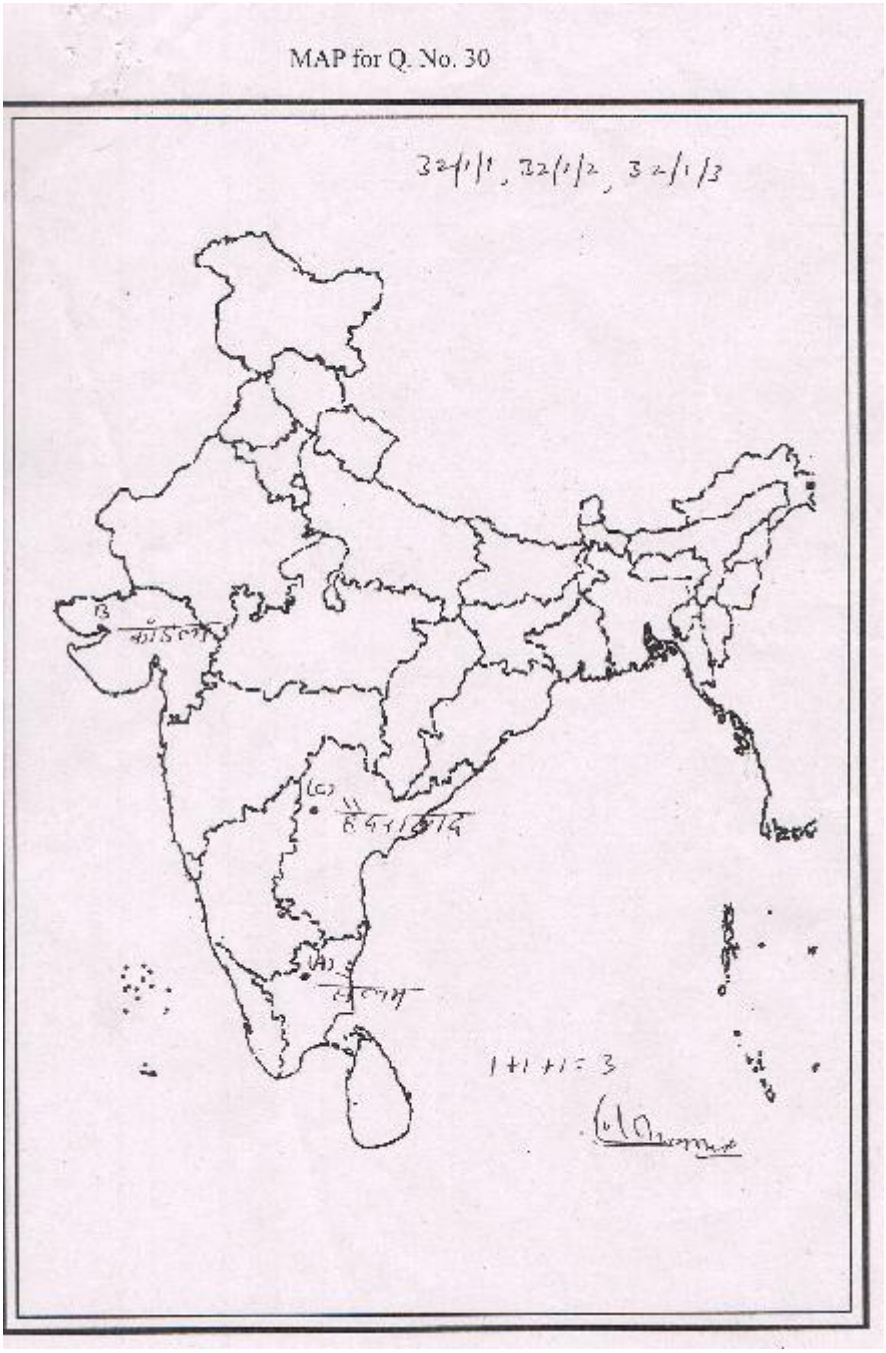

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE